मध्यप्रदेश को मिली चार नई सीधी हवाई सेवाएं, भोपाल से शारजाह उड़ान जल्द

प्रदेश में शुरू हुईं चार नई हवाई सेवाएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को रविवार को नई गति मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने भोपाल के राजा भोज विमानतल से चार नई सीधी हवाई सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता उड़ानें शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भोपाल-रीवा की पहली उड़ान से रीवा रवाना हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले दो महीने के भीतर भोपाल से शारजाह के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीते तीन वर्षों में रीवा, सतना और दतिया में नए एयरपोर्ट शुरू हुए हैं, जबकि उज्जैन और शिवपुरी में एयरपोर्ट का निर्माण जारी है। प्रदेश में पांच नए एयरपोर्ट बनाने की मंजूरी भी मिली है, जिसमें सबसे पहले सिंगरौली में एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में 10 से अधिक नए हवाई मार्ग शुरू हुए हैं।

चारों नई सेवाओं का संचालन अलायंस एयर करेगी। भोपाल-रीवा उड़ान सप्ताह में चार दिन, जबकि भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता उड़ानें सप्ताह में तीन दिन संचालित होंगी। सीधी उड़ानों से यात्रियों के समय में बड़ी बचत होगी। भोपाल-रीवा की यात्रा करीब डेढ़ घंटे में पूरी होगी, जबकि भोपाल-पटना और रीवा-कोलकाता की यात्रा करीब दो घंटे तथा जबलपुर-कोलकाता की यात्रा करीब ढाई घंटे में पूरी होगी।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि नई सेवाओं के कारण किराया भी अपेक्षाकृत किफायती रहेगा। भोपाल-रीवा का किराया करीब 3,500 रुपये, भोपाल-पटना और जबलपुर-कोलकाता का करीब 4,500 रुपये तथा रीवा-कोलकाता का करीब 3,200 रुपये रहेगा। राज्य की विमानन नीति के तहत इन मार्गों को वायबिलिटी गैप फंडिंग भी दी जाएगी।

केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि अगले 10 वर्षों में देश में हवाई सेवाओं के विस्तार पर करीब 29 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में एयरपोर्ट और हवाई पट्टियों के विस्तार के साथ छोटे शहरों को भी हवाई नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में हर 150 किलोमीटर पर एयरपोर्ट, 75 किलोमीटर पर हवाई पट्टी और 45 किलोमीटर पर हेलिपोर्ट विकसित करना है। नई उड़ानों से पर्यटन, व्यापार, उद्योग, शिक्षा और रोजगार को भी गति मिलने की उम्मीद है।

खेती की आय बढ़ाने पर जोर

अगले सीजन से दिन में 10 घंटे बिजली मिलेगी : मुख्यमंत्री

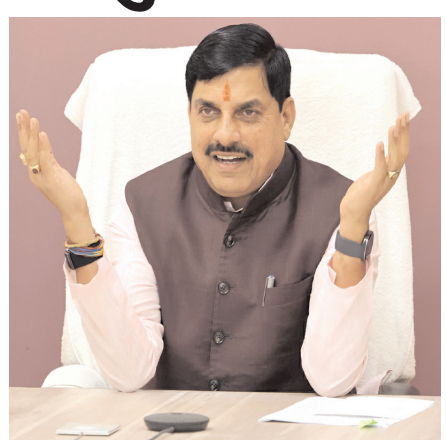

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष के तहत किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें खेती के साथ अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। अगले सीजन से किसानों को खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री रविवार को राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खेती की आय दोगुनी करने के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। सांची ब्रांड के आधार पर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। सरकार ने 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया है। गेहूं उत्पादक किसानों से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भावांतर योजना और किसान सम्मान निधि का लाभ किसानों को मिल रहा है। कवच योजना के माध्यम से किसानों को दोबारा बैंक और फसल ऋण प्राप्त करने में सुविधा मिली है। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना की राशि जल्द ही हितग्राही महिलाओं के खातों में जारी की जाएगी। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 80 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें लगभग 10 हजार शिक्षक पद भी शामिल हैं। अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रत्येक शुक्रवार जनता के बीच जाकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही पर कार्रवाई और बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मृगनयनी का डिजिटल बाजार, अब देशभर में बिकेंगे मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पाद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश के बुनकरों, शिल्पियों और ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को बड़ा बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार सोमवार को नई पहल शुरू करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में 'ओडीओपी मार्ट मध्यप्रदेश' और द मृगनयनी डॉट कॉम वेब पोर्टल का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश के बुनकरों और शिल्पियों का सम्मान भी किया जाएगा। 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के तहत विकसित इस डिजिटल मंच पर प्रदेश के जिलों के विशिष्ट उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। पोर्टल खुले डिजिटल वाणिज्य नेटवर्क से भी जुड़ चुका है, जिससे उत्पाद देशभर के खरीद मंचों तक पहुंच सकेंगे। अब तक 350 से अधिक बुनकरों, शिल्पियों और विक्रेताओं का पंजीयन हो चुका है तथा दो हजार से अधिक उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। पोर्टल पर उत्पादक सीधे ग्राहकों तक पहुंच सकेंगे और बिक्री पर केवल एक प्रतिशत कमीशन लिया जाएगा। इससे मध्यस्थों की भूमिका कम होगी तथा बुनकरों और शिल्पियों की आय बढ़ने की उम्मीद है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कर्मचारी संगठन का पुनर्गठन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कर्मचारी संगठन की आमसभा में कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से संगठन का पुनर्गठन किया गया। एनपी तिवारी को संरक्षक, अनिल बाजपेई को प्रांताध्यक्ष एवं प्रमुख सलाहकार, अरुण वर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष, रामलाल को उपाध्यक्ष और लालजी मिश्रा को महामंत्री बनाया गया। राकेश बघेल व रामनारायण चतुर्वेदी कोषाध्यक्ष, जबकि अर्जुन सिंह को सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा सोहन सिंह, महेंद्र सिंह, शिव चरण सिंह, राकेश सिंह और रमेश तिवारी को भी विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

राठौर जयंती पर पौधे बांटेंगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती के अवसर पर राठौर क्षत्रिय समाज न्यू भोपाल और राठौर एकता मंच कोलार द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में रविवार को शास्त्री नगर स्थित समाज के पंजीकृत कार्यालय में संयुक्त बैठक हुई। बैठक में वर्ष 2026 को राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर के नाम समर्पित करते हुए पूरे वर्ष सामाजिक गतिविधियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया।*

बैठक में तय किया गया कि 13 अगस्त को जयंती समारोह के अवसर पर 1100 क्वार्टर स्थित राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा स्थल तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। समाजजन हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा के रूप में प्रतिमा स्थल पहुंचेंगे, जहां प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती समारोह मनाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक-पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया जाएगा। समाज की ओर से लोगों को जूट के थैले और पौधे वितरित किए जाएंगे। सावन के अवसर पर बेलपत्र के पौधे तथा 'एक पेड़ जिंदगी के नाम' अभियान के तहत पौधे बांटे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने धार सड़क दुर्घटना पर दुःख जताया

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के बदनावर के पास ग्राम पंचकवासा में हुई सड़क दुर्घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया है। डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में यात्रियों के हताहत होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजन को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

भीमबैठका में ब्रिक्स प्रतिनिधियों ने देखी हजारों साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत की झलक

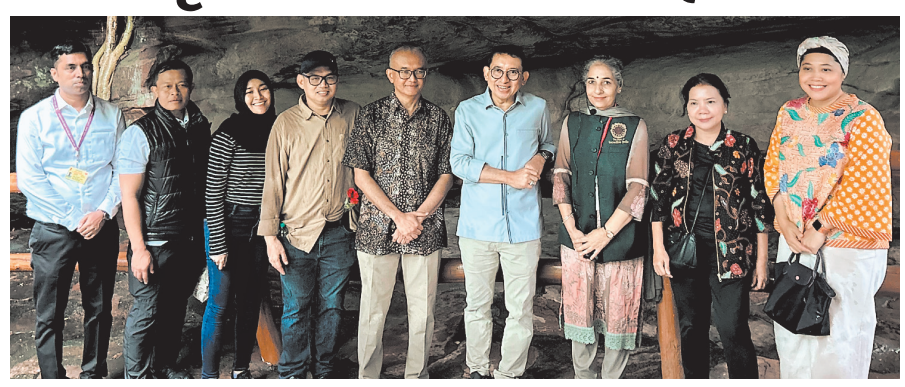

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह एवं मंत्री समूह के 15 से अधिक प्रतिनिधियों ने रविवार को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबैठका शैलाश्रयों का भ्रमण किया। दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस और चीन सहित ब्रिक्स देशों से आए प्रतिनिधियों ने यहां प्रागैतिहासिक शैलचित्रों और प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना। इस दौरान मध्यप्रदेश की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और कला ने वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। निर्देशित विरासत भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने विभिन्न शैलाश्रयों में मौजूद चित्रों को देखा। इन चित्रों के माध्यम से उन्होंने प्रागैतिहासिक मानव की जीवनशैली, सामाजिक गतिविधियों और प्रकृति तथा वन्यजीवों के साथ उसके संबंध को समझा। हाथी, गौर, हिरण, बंदर और जंगली सूअर जैसे वन्यजीवों के चित्रों ने प्राचीन मानव के प्राकृतिक परिवेश से जुड़ाव को दर्शाया। भीमबैठका में 750 से अधिक शैलाश्रय हैं, जिनमें 100 से अधिक में शैलचित्र पाए गए हैं। इन चित्रों में अलग-अलग कालखंडों की कलात्मक परंपराओं की निरंतरता दिखाई देती है। शिकार, सामूहिक गतिविधियों, जुलूस, योद्धाओं और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़े दृश्य यहां देखने को मिलते हैं। प्रतिनिधियों के लिए यह भ्रमण केवल पुरातात्विक स्थल देखने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शैलचित्रों के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास और प्रकृति के साथ उसके संबंध को समझने का अवसर भी बना। हजारों वर्ष पुराने ये चित्र आज भी मानव की रचनात्मकता और संवेदनशीलता की कहानी कहते हैं।

'धागा एक पहचान' ने हथकरघा और हस्तशिल्प को दिया नया मंच, 'रिवायत' फैशन शो रहा आकर्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'धागा एक पहचान' कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में भारतीय हथकरघा, हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र और शिल्प कौशल को आधुनिक डिजाइन के साथ प्रस्तुत किया गया। समापन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प केवल वस्त्र या उत्पाद नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक स्मृति और स्थानीय पहचान के प्रतीक हैं। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकारों ने अपने पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए। 'आर्टिजन वर्क शोकेस' में कलमकारी, चिकनकारी, मधुबनी, फुलकारी और जूट कला सहित 14 प्रमुख शिल्पों को प्रदर्शित किया गया। टेक्सटाइल विशेषज्ञ मुमताज खान ने कहा कि मशीन से बने मिलते-जुलते सस्ते उत्पादों के कारण पारंपरिक शिल्पकारों को अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का उचित मूल्य मिलने में कठिनाई होती है। द फैशन शो' रहा। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के विद्यार्थियों ने भारतीय हथकरघा और हस्तनिर्मित वस्त्रों को आधुनिक डिजाइन के साथ रैंप पर प्रस्तुत किया।

जेल पहुंचने के दो दिन बाद बंदी की मौत

- शरीर पर चोटों के निशान, परिजनों ने पुलिस पर लगाया मारपीट का आरोप
- एसडीएम द्वारा न्यायिक जांच करवायी जाएगी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल/रायसेन : भोपाल सेंट्रल जेल में बंद 35 वर्षीय नीरज धाकड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सीमेंट चोरी के मामले में 7 अगस्त को गिरफ्तार किए गए नीरज की जेल पहुंचने के महज दो दिन बाद रविवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। शरीर पर चोटों के निशान और परिजनों के गंभीर आरोपों के बाद पूरा मामला गरमा गया है। मृतक की पत्नी पूजा ने आरोप लगाया है कि गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने नीरज के साथ मारपीट की थी। परिजनों का कहना है कि नीरज के शरीर पर कई जगह चोटों के निशान मौजूद थे। उनका आरोप है कि जेल में दाखिल होने के बाद नीरज की हालत लगातार बिगड़ती गई और समय पर उचित चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण उसकी जान चली गई।

चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा था

पुलिस और जेल प्रशासन ने मारपीट के आरोपों से इनकार किया है। जेल अधिकारियों के अनुसार, नीरज ने सीने में तेज दर्द और घबराहट की शिकायत की थी, जिसके बाद उसे तुरंत हमीदिया अस्पताल भेज दिया गया था। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा था, लेकिन रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। जेल प्रशासन का दावा है कि बंदी को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। नीरज धाकड़ रायसेन जिले के देवरी गांव का रहने वाला था। सुखी सेवनिया थाना पुलिस ने उसे 7 अगस्त को सीमेंट चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। जेल भेजने से पहले मेडिकल परीक्षण करवाया गया और उसके बाद ही उसे भोपाल सेंट्रल जेल भेजा गया। देहात डीआईजी राजेश चंदेल ने बताया कि, पोस्टमार्टम के बाद ही कुछ कह सकतें हैं। लेकिन एसडीएम द्वारा न्यायिक जांच भी करवायी जाएगी। जेल भेजने के दो दिन बाद बंदी की मौत हुई है, जबकि आरोपी को जेल भेजने से पहले मेडिकल परीक्षण अनिवार्य रूप से करवाया जाता है।

न्यायिक जांच शुरू : मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच में गिरफ्तारी की परिस्थितियों, पुलिस कार्रवाई, मेडिकल परीक्षण, जेल में प्रवेश, इलाज की प्रक्रिया और अस्पताल पहुंचने तक की पूरी श्रृंखला की विस्तृत पड़ताल की जाएगी। परिजनों द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोप भी जांच के दायरे में शामिल हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

• दतिया में कांग्रेस की मेलोडी

बंगाल की झालमुड़ी और दिल्ली की जलेबी के बाद अब दतिया में कांग्रेस की जीत का स्वाद भी कार्यकर्ताओं ने मेलोडी से लिया। चुनाव जीते तो कार्यकर्ताओं में ऐसी मिठास घुली कि जमकर मेलोडी बांटी गई। बिहार में भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा खाली की गई सीट पर प्रशांत किशोर की जीत के बाद कुछ जगहों पर मेलोडी का वितरण हुआ। लगता है, अब राजनीतिक जीत का नया फार्मूला है - नतीजा आए और मिठाई की जगह मेलोडी खिलाई जाए।

• करें कोई, जिम्मेदार कोई और...

मध्यप्रदेश सरकार के एक माननीय से पिछले दिनों रातोंरात महत्वपूर्ण विभाग ले लिया गया। गलियारों में चर्चा रही कि किसी बड़ी गंभीर लापरवाही से ऊपर वाले काफी नाराज थे। लिहाजा विभाग भी गया और माननीय देखते रह गए। जब उनसे कारण पूछा गया तो उन्होंने पूरा मामला मीडिया के खाते में डाल दिया। यानी गलती किसी की भी हो, जिम्मेदारी उठाने के लिए आखिर मीडिया तो है ही!

• जयचंदों की खोज दोनों तरफ

हाईप्रोफाइल दतिया चुनाव में दोनों प्रमुख दलों के भीतर शिकवा-शिकायतों का दौर खूब चला। नतीजे आए तो दोनों तरफ हार-जीत का हिसाब शुरू हुआ और अब समितियां बैठाकर जिम्मेदारों की तलाश हो रही है। कार्रवाई भी शुरू हो गई है, लेकिन असली तलाश जयचंदों की है। मजेदार बात यह है कि दोनों दल अपने-अपने जयचंद खोज रहे हैं, बस फर्क इतना है कि हर दल को अपने जयचंद दूसरे दल में दिखाई दे रहे हैं।

• हमें कुछ नहीं चाहिए

एक माननीय कल तक अपने साथ हुए खेल से खासे आक्रोशित और आक्रामक नजर आ रहे थे। लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों की हवा चली तो सुर भी बदल गए। अब कह रहे हैं - पार्टी मेरी मां है, पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है, अब मुझे कुछ नहीं चाहिए। उनके शुभचिंतकों ने भी बड़े भोलेपन से पूछ लिया - लेकिन आपको देने वाला कौन था? सवाल छोटा था, जवाब शायद राजनीतिक मौसम देखकर देना था।

• तुमसे मिलने को जी करता है

मध्यप्रदेश की जनता के बीच लंबे समय तक लोकप्रिय रहे एक माननीय को प्रदेश से बाहर जाना पड़ा, लेकिन दिल अब भी मध्यप्रदेश में ही अटका है। पिछले दिनों एक जिले के दौरे में जनता ने ऐसा सम्मान दिया कि माननीय भावुक हो गए। बोले - तुमसे मिलने का मन करता है। लगता है पद और पता भले बदल जाए, लेकिन मध्यप्रदेश का मोह आसानी से नहीं छूटता।

• यदि हार के लिए हम जिम्मेदार...

दतिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर सत्ता पक्ष को बड़ा झटका दिया। नतीजे आते ही जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के कई पदाधिकारियों पर गाज गिर गई। अब हटाए गए पदाधिकारियों के बीच एक सवाल घूम रहा है - यदि हार की जिम्मेदारी हमारी थी तो प्रभारी बनाए गए सांसद, मंत्री, विधायक और अन्य पार्टी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी कहां गई? यानी हार का हिसाब भी कुछ ऐसा कि बिल एक का और भुगतान कई लोगों का!

नवीकरणीय ऊर्जा पहल को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सराहना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में मप्र के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना हुई। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में प्रदेश की उपलब्धियों और भविष्य की ऊर्जा योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए मध्यप्रदेश पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

डॉ. यादव ने सम्मेलन स्थल तक दिल्ली मेट्रो से यात्रा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो वर्ष 2018 से मप्र द्वारा उपलब्ध कराई जा रही बिजली से संचालित हो रही है।

प्रदेश सरकार वर्ष 2044 तक दिल्ली मेट्रो को निरंतर बिजली आपूर्ति करेगी। उन्होंने कहा कि मप्र नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। 750 मेगावाट की रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा की दर को कोयला आधारित बिजली से कम करने की उपलब्धि हासिल की।

मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन के वीर सपूतों को किया नमन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज ही के दिन हुए काकोरी ट्रेन एक्शन का स्मरण करते हुए इस ऐतिहासिक कार्यवाही के अमर क्रांतिकारियों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन स्वतंत्रता संग्राम का वह साहसिक अध्याय है, जब क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष को नई ऊर्जा दी। इस क्रांतिकारी घटना से जुड़े वीर सपूतों का साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति देशवासियों के लिए गौरव का विषय रहेगी।

निर्देश | प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा...

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता दें : परमार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि लगातार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनें और समयबद्ध निराकरण करें। उन्होंने शनिवार को पन्ना कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री जन विश्वास और हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। परमार ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। इस दौरान नागरिकों से संवाद के साथ जन एवं उद्योग संवाद कार्यक्रम तथा शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मौके पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने खाद वितरण और बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण को विशेष प्राथमिकता देने को कहा।

प्रभारी मंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्र गौरव की भावना के साथ घरों और कार्यालयों में तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं में भाग लेने की अपील की। सामाजिक संगठनों और सक्रिय नागरिकों को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए। तिरंगा यात्राओं में स्थानीय बैंड को प्रोत्साहित करने को भी कहा। पन्ना प्रवास के दौरान परमार ने चंदेलकालीन महाराज सागर तालाब के संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्यों का अवलोकन किया तथा परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने ऐतिहासिक जल संरचनाओं के संरक्षण को पर्यावरण और विरासत दोनों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com